पंजीकृत समाचार पत्र
R.N.I. NO. 59665/92

Posted at R. M. S, Char bagh, Lko. on
Every Monday, wednesday and thursday

डाक पंजीयन संख्या SSP/LW/NP/115/2021-2023

एक प्रति का मूल्य 3/- रूपये (कार्यालय से लेने पर) (डाक/कोरियर से मंगाने पर खर्च अतिक्ति देय होगा)
वार्षिक सदस्यता शुल्क 300/-, दस वर्षीय आजीवन शुल्क 2100/-

If Undelivered Please Return To: Publisher- Jain Gazette C/o Sri Nandishwar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish bagh, Lucknow - 226004 (U. P.) (INDIA) Ph. 0522-2662589, 2661021 Mob. 7880978415, 9415108233 8081191814, 7505102419 Web site- jaingajat.com
email- jaingazette2@gmail.com 07607921391

TO,

....

....

....

अंक 20

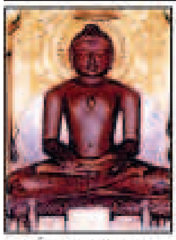

वर्तमान शासन नायक
भ. महावीर स्वामी

E-paper

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला जैन साप्ताहिक

जैन गज़ट

125 वां वर्ष

(JAIN GAZETTE WEEKLY) साप्ताहिक

Unit-Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha

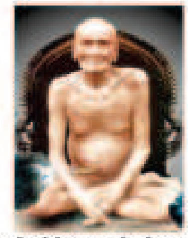

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज

वर्ष 30, अंक 20 प्रकाशन तिथि-लखनऊ, सोमवार 4 अप्रैल 2022, वीर नि. संवत् 2548 कुल पृष्ठ संख्या 10

श्री महावीर जी में मूलनायक प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक नवम्बर माह में

आचार्यश्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सान्निध्य में होगा आयोजन

जैन गजट संवाददाता

जयपुर। राजस्थान के हिंडौन जिले में जैन समाज के अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में नवम्बर 2022 माह में होने वाले महामस्तकाभिषेक महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। महोत्सव समिति के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल ने बताया कि नवम्बर, 2022 में श्री महावीर जी स्थित भगवान श्री महावीर स्वामी की भूगर्भ से प्रगटित मूलनायक प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक आचार्यश्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सान्निध्य में संपन्न होगा। यह मस्तकाभिषेक 24 वर्ष बाद पुनः होने जा रहा है। महोत्सव के दौरान सामाजिक कल्याण के विभिन्न कार्य सम्मेलन भी आयोजित होंगे। उन्होंने बताया कि

महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं और क्षेत्र पर निर्माण कार्य प्रगति पर है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत महोत्सव समिति के परम शिरामणि संरक्षक हैं और साथ ही उन्होंने घोषणा की है कि महोत्सव के सफलतम क्रियान्वयन के लिए एक राज्य स्तरीय समन्वय समिति का गठन किया जाएगा और जिसका संचालन खुद मुख्यमंत्री करेंगे। कासलीवाल ने समस्त जैन समाज से अनुरोध किया कि वह इस महोत्सव से जुड़ें और इस महोत्सव को ऐतिहासिक बनाएं।

महोत्सव समिति के कार्याध्यक्ष विवेक काला ने अभिषेक की संपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 27 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक अभिषेक संपन्न होंगे। प्रतिदिन लगभग 10 प्रकार के अलग-अलग कलश होंगे, शांतिधारा और मंगल आरती होगी। यह अभिषेक महोत्सव 8 दिन का होगा। महोत्सव समिति के पंचकल्याणक समिति के अध्यक्ष राजकुमार कोठारी एवं महोत्सव समिति के संयोजक एवं पंचकल्याणक समिति के कार्याध्यक्ष राकेश सेठी ने जानकारी देते हुए बताया कि 24 नवम्बर से 28 नवम्बर तक भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा संपन्न होगी। उन्होंने आगे जानकारी दी कि पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महावीर जी में विराजमान होने वाली नव निर्माणाधीन 24 फुट ऊंची खड्गासन प्रतिमा का होगा। साथ में अन्य प्रतिमाओं का भी होगा। उन्होंने संपूर्ण देशवासियों से अपील की कि वह इस पंचकल्याणक महोत्सव में विभिन्न पात्र बनकर तन-मन-धन से अपना सहयोग प्रदान करें और महोत्सव में शामिल हों। इस दौरान समिति के कोषाध्यक्ष उमराव मल संघी, समिति के संयोजक सुरेश सबलावत और साथ में प्रबंध समिति के सदस्य भी जैन उपस्थित थे। प्रतिष्ठाचार्य पण्डित हंसमुख शांस्त्री ने समस्त देशवासियों से महोत्सव से जुड़ने का आग्रह किया है।

आगामी जैन पर्व

14 अप्रैल 2022	भगवान महावीर जयंती
3 मई, 2022	अक्षय तृतीय पर्व
11 मई 2022	भगवान महावीर केवलज्ञान कल्याणक
4 जून 2022	श्रुतपंचमी पर्व
16 जून 2022	भगवान ऋषभदेव गर्भकल्याणक
4 से 13 जुलाई 2022	आषाढ़ अष्टान्हिका पर्व
14 जुलाई 2022	युगादि दिवस (अनादिनिधन वर्ष का प्रथम दिवस), वीर शासन जयंती पर्व
4 अगस्त 2022	भगवान पार्श्वनाथ निर्वाण कल्याणक
11 अगस्त 2022	भगवान श्रेयांसनाथ निर्वाण कल्याणक, रक्षाबंधन पर्व
12 अगस्त से 11 सित. 2022	सोलहकारण पर्व
26 सितम्बर से 4 अक्टूबर	नवरात्रि पर्व
9 अक्टूबर 2022	शरदपूर्णिमा पर्व
25 अक्टूबर, 2022	भगवान महावीर मोक्षकल्याणक (प्रातःकाल), गौतम स्वामी केवलज्ञान (सायंकाल) एवं दीपावली पर्व
26 अक्टूबर, 2022	नूतन वीर निर्वाण संवत् 2549 का शुभारंभ
1 नवम्बर से 8 नवम्बर, 2022	कार्तिक अष्टन्हिका पर्व

शुद्ध स्वादिष्ट जैन भोजन आदि सभी आधुनिक सुविधाओ के साथ
जैन तीर्थ यात्राऐं एवं पर्यटक स्थलो की सैर
मुख्य आर्कषण वायुदूत की सुप्रसिद्ध किचन वाली जैन भोजन सुविधा
लग्झरी आवास, आरामदायक यातायात, कुशल संचालन
4614-16, Pahari Dhiraj, Sadar Bazar, Delhi - 110006
(M) 9313338256, 9810408256, 9818312056
E-Mail: vayudoottravels@gmail.com
ला: नेमचन्द जुगल किशोर जैन तीर्थ यात्रा संघ
वायुदूत वर्ल्ड ट्रैव्लस (ई.) प्रा. लि.

अति प्राचीन मनोरथपूर्ण 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र, प्रभुसर हस्तेड़ा (जयपुर)

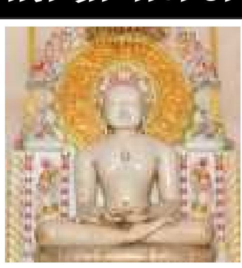

866 साल प्राचीन मूलनायक
श्री मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा

शांतिधारा का LIVE प्रसारण

LIVE
समय : 8:15 - 10:00
प्रक्षाल 8:20 AM
शांतिधारा : 8:30 AM

@jainmandirhasteda

नामांकित शांतिधारा पुण्यार्जन
के लिय संपर्क करें :
अमित शर्मा (Manager) : 9783016885

नामांकित शांतिधारा के लिए किसी भी राशि का आग्रह नहीं है।

हस्तेड़ा जैन मंदिर
दूरी-दिल्ली से 250 किमी.
एवं जयपुर से 65 किमी.
संपर्क सूत्र :
नितिन कुमार पाटनी (मंत्री)
9001255955
मनीष जी गंगवाल (कोषाध्यक्ष)
095880-20330

JK®
MASALE
SINCE 1957
join us jk masale

Shudh Khao Swasth Raho

|| श्री महावीराय नमः ||

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी (राजस्थान)

वार्षिक मेला-2022

11 अप्रेल से 18 अप्रेल 2022

मेले के मुख्य आकर्षण

चैत्र सुदी 10 वीर नि.सं. 2548, सोमवार 11 अप्रेल 2022

मेले की स्थापना

चैत्र सुदी 13 वीर नि.सं. 2548, गुरुवार 14 अप्रेल, 2022

महावीर जयन्ती

प्रभात फेरी, ध्वजारोहण, जल यात्रा, धर्मसभा, दिव्यांग शिविर

सांस्कृतिक संध्या

(दिगम्बर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय श्री महावीरजी के सौजन्य से)

राजस्थानी सांस्कृतिक संध्या

(पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग, राजस्थान के सौजन्य से)

चैत्र सुदी 14 वीर नि.सं. 2548, शुक्रवार 15 अप्रेल, 2022

मान स्तम्भ की प्रतिमाओं का अभिषेक

सांस्कृतिक संध्या

(डॉ. गौरव जैन एण्ड पार्टी जयपुर द्वारा)

राजस्थानी लोक नृत्य व लोक गीत कार्यक्रम-गोरबंद (वीणा कैसेट्स जयपुर द्वारा)

चैत्र सुदी 15 वीर नि.सं. 2548, शनिवार 16 अप्रेल, 2022

सांस्कृतिक संध्या

भगवान महावीर की प्रथम आर्यिका महासती चन्दनबाला की भक्तिमयी वैराग्य गाथा (रंगशाला अकादमी, इंदौर द्वारा)

राष्ट्रीय कवि सम्मेलन

वैशाख कृष्णा 02 वीर नि.सं. 2548, रविवार 17 अप्रेल, 2022

विशाल रथयात्रा एवं कलशाभिषेक

वैशाख कृष्णा 02 वीर नि.सं. 2548, सोमवार 18 अप्रेल, 2022

ग्रामीण खेल-कूद, कुश्ती दंगल

मेला समापन

प्रमुख दैनिक कार्यक्रम : सामूहिक पूजन (श्री वीर संगीत मण्डल, जयपुर द्वारा), भजन, सामूहिक आरती, नृत्य आदि

इस मंगलमय पुनीत अवसर पर सपरिवार पधारने हेतु अनुरोध।

विनीत : प्रबन्धकारिणी कमेटी, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी

मुद्रक : श्री प्रिन्टर्स प्रा. लि., जी-139, मालवीय औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर-302 017 मोबाईल : 9414062321

संकलन– जैन गजट संवाददाता राजाबाबू गोधा, फागी, मो. 9460554501

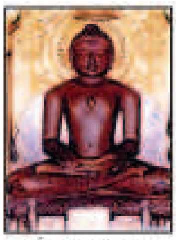

वर्तमान शासन नायक भ. महावीर स्वामी

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला जैन साप्ताहिक

जैन गज़ट

125 वां वर्ष

(JAIN GAZETTE WEEKLY) साप्ताहिक

Unit-Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha

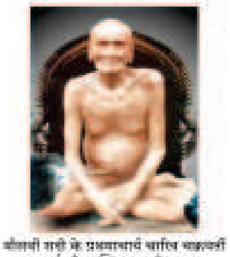

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज

वर्ष 30, अंक 20 प्रकाशन तिथि-लखनऊ, सोमवार 4 अप्रैल 2022, वीर नि. संवत् 2548 कुल पृष्ठ संख्या 10

अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में होगा ऐतिहासिक वार्षिक मेला

11 अप्रैल से 18 अप्रैल तक होंगे मेले में होंगे अनेक धार्मिक आयोजन

महावीर जी (नि.सं.)। दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी राजस्थान में 11 अप्रैल से 18 अप्रैल, 2022 तक भव्यता के साथ वार्षिक मेला होगा। जैन समाज के मीडिया प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने अवगत् कराया कि मेले के कई मुख्य आकर्षण होंगे। मंदिर समिति के अध्यक्ष सुधांशु जी कासलीवाल तथा मानद मंत्री महेंद्र कुमार पाटनी ने बताया कि 11 अप्रैल, 2022 को मेले की स्थापना, 14 अप्रैल गुरूवार को अहिंसा धर्म के प्रणेता विश्व वंदनीय भगवान महावीर स्वामी की 2621 वीं जयन्ती पर प्रातः प्रभात फेरी, ध्वजारोहण, भव्य जल यात्रा, विशाल धर्मसभा तथा दिव्यांग शिविर का आयोजन किया गया है। सायंकाल दिगम्बर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय श्री महावीर जी के सौजन्य से भव्य सांस्कृतिक संध्या तथा पर्यटन कला एवं संस्कृति विभाग राजस्थान सरकार के सौजन्य से राजस्थानी सांस्कृतिक

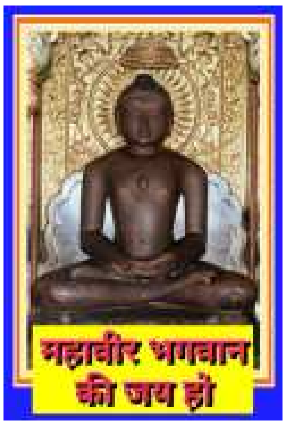

संध्या का कार्यक्रम होगा। 15 अप्रैल को मानस्तंभ की प्रतिमाओं का अभिषेक तथा सांस्कृतिक संध्या में प्रसिद्ध गायक कलाकार (डा. गौरव जैन एंड पार्टी जयपुर द्वारा) राजस्थानी लोक नृत्य व लोक गीत कार्यक्रम गोरबंद (वीणा कैसेट्स जयपुर द्वारा), 16 अप्रैल को सांस्कृतिक संध्या में भगवान महावीर की प्रथम आर्यिका महासती चन्दनबाला की भक्तिमयी वैराग्य गाथा (रंगशाला अकादमी इंदौर द्वारा) एवं राष्ट्रीय कवि सम्मेलन होगा। 17 अप्रैल को विशाल भव्य रथयात्रा एवं कलशाभिषेक कार्यक्रम होगा। 18 अप्रैल को ग्रामीण खेल-कूद कुश्ती दंगल के बाद मेला का समापन होगा। श्री महेंद्र कुमार पाटनी ने बताया कि प्रमुख दैनिक कार्यक्रम में सामूहिक पूजन (श्री वीर संगीत मंडल, जयपुर द्वारा) भजन, सामूहिक आरती, नृत्य इत्यादि होंगे। यह सारा कार्यक्रम प्रबंधकारिणी कमेटी दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के तत्वावधान में हर्षोल्लास से संपन्न होगा। कार्यक्रम में पधारने हेतु विभिन्न जगहों से निःशुल्क बसों की व्यवस्था की गयी है। इस मंगलमय पुनीत अवसर पर सपरिवार पधारने हेतु सभी से अनुरोध किया गया है।

– राजाबाबू गोधा, संवाददाता

आचार्य विद्यासागर जी महाराज चारों वेद और चारों धाम हैं

–उमा भारती

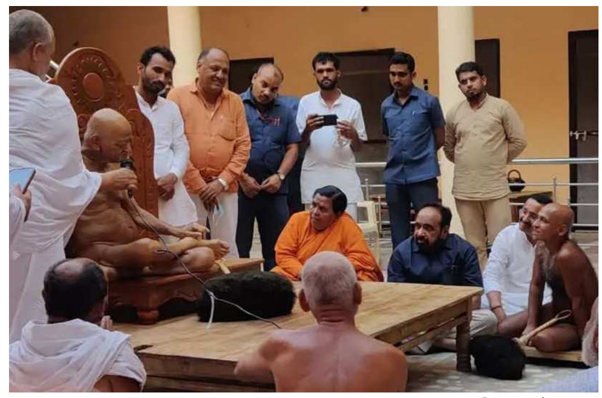

सागर। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज सिर्फ संत नहीं वे भगवान हैं। संत जिस अवस्था को प्राप्त करने के लिए तपस्या करते हैं अब वह आचार्यश्री के लिए लक्ष्य हो गया है। आचार्य महाराज चारों वेद और चारों धाम हैं। वे राम कृष्ण और शिव हैं, यह बात मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और साध्वी उमा भारती ने जैन तीर्थ पटनागंज रहली जिला-सागर में आचार्य विद्यासागर महाराज के दर्शन करने के बाद कही। सुश्री उमाभारती ने कहा कि महाराज के अंदर सारा हिमालय समाया हुआ है। हिमालय में तपस्वियों की जो तपस्या है, आभा है, ऊर्जा है, शक्ति है वह आचार्यश्री में समाई हुई है। आचार्यश्री के दर्शन कर लेना ही आपने चारों धाम के दर्शन कर लिए। इस भूमंडल पर महाराज की छाया लंबे समय तक बनी रहे और वह शतायु हों, उनके सामने धर्म का अधिष्ठान बना रहे। वह स्वयं चाह लें तो शतायु हो सकते हैं। उनकी इच्छा के ऊपर सब निर्भर है। उमा भारती ने कहा कि आज आचार्य भगवन स्वस्थ लगे और उन्होंने मुझ पर आशीष की वर्षा की है। आचार्यश्री विद्यासागर महाराज ने कहा कि अब आपको साध्वी दीदी मैडम में क्या होना चाहिए तभी सभी मुनियों और लोगों ने कहा कि हमें दीदी बोलना चाहिए इसलिए उमा भारती ने सभी से आग्रह किया चाहे प्रशासनिक या पुलिस के अधिकारियों या अन्य लोग मुझे दीदी ही कहें और आचार्य श्री ने यह भी कहा कि तुम भारती हो, तुम्हारे अंदर भारतीयता रहनी चाहिए। उनके द्वारा जो जो शब्द कहे गए हैं वे मुझे वेद वाक्य बन गए हैं। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती, मंत्री गोपाल भार्गव समाजसेवी मुकेश जैन ढाना, पूर्व विधायक रतन सिंह सिलारपुर भाजपा नेता राजकुमार सुमरेडी, सुधीर यादव, राकेश जैन चांदपुर, सुशील जैन कुट्टु भैया, कपिल जैन, बरोदा ब्रह्मचारी रजनीश भैया आदि ने भी आचार्य श्री से आशीर्वाद लिया। बाल ब्रह्मचारी विनय भैया बंडा से आचार्यश्री के स्वास्थ्य की जानकारी उमा भारती जी ने ली।

गर्भकाल में अच्छे विचार का करें मंथन, बच्चों में आएंगें संस्कार

– आचार्य श्री सुनील सागर जी

अपने आशीर्वचन में गुरूवर ने कहा कि जहां महापुरूषों ने जन्म लिया उसे तीर्थ कहते हैं। महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब जब धरती पर संकट आता है तब महापुरूषों का जन्म होता है। जहां महापुरूषों ने जन्म लिया उसे तीर्थ कहते हैं। तीर्थो की रक्षा करता है उसे तीर्थकर कहते हैं। तीर्थकर संसार को पार कराने वाले होते हैं। आचार्य ने कहा कि जन्म से ही प्रभु इतने सुंदर होते हैं कि इंद्र उनके रूप के दर्शन करने के लिए दो नहीं हजार नेत्र धारण करते हैं। जग के कल्याण की इतनी सुंदर भावना कि उनके आते ही नरक के

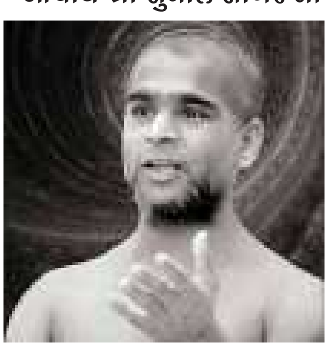

नारकी को भी कुछ समय के लिए शांति प्राप्त होती है। भगवान के जन्म से ही उनके रस अतिशय प्रारंभ हो जाते हैं। आचार्य ने कहा कि अगर मां गर्भ काल में अच्छे विचार करती है तो वैसे ही विचार और संस्कार बालक में आते हैं। जो मां हमेशा टीवी पर टकटकी लगाए रहती है तो उसके बच्चे के आंखों में विकार आता है। जो मां गाने सुनती है उसके शिशु बहरे पैदा होते हैं। मां के गर्भ काल के संस्कार षोडश संस्कार के साथ अंतिम संस्कार तक काम आते हैं। आचार्य ने कहा कि भारतीय संस्कृति के रिश्ते श्रद्धा और प्रेम की नींव पर टिके रहते हैं जबकि पाश्चात्य संस्कृति के रिश्ते ताश के पत्ते के समान होते हैं।

गुरू वाणी का महत्व बहुत बड़ा है।

विशाल रथयात्रा के साथ विधान का समापन

कोटा (राज.)। आर के पुरम स्थित 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर त्रिकाल चौबीसी जैन मंदिर में अष्टान्हिका महापर्व के पावन सुअवसर पर 10 मार्च 22 से 19 मार्च, 2022 तक श्री नन्दीश्वर महामण्डल विधान पूजा एवं विश्व शांति महायज्ञ हर्षोल्लास के वातावरण में कल दिनांक 19 मार्च, 2022 को समापन हो गया।

प्रचार-प्रसार मंत्री पारस जैन 'पार्श्वमणि' पत्रकार ने बताया कि जंगल वाले बाबा मुनि चिन्मय सागर जी महाराज की मंगल प्रेरणा

शेष पृष्ठ 8 ......पर

जैन गजट में विज्ञापन देकर लाभ उठायें एवं धर्म प्रचार व प्रसार में बनें सहभागी

पाठक संख्या लगभग पांच लाख, पूरे देश भर में प्रचार-प्रसार, सभी प्रमुख तीर्थक्षेत्रों- विद्वानों-प्रतिष्ठाचार्यों एवं चातुर्मास में प्रति वर्ष समस्त मुनि संघों में निःशुल्क प्रेषण। प्रमुख श्रेष्ठियों, जैन उद्योगपतियों, जैन संस्थाओं व पत्र पत्रिकाओं के यहाँ तक पहुंच। निम्न संबंधी विज्ञापन छपवाकर लाभ उठायें- वैवाहिक, पंचकल्याणक, विधान, जैन कालोनी में प्रापर्टी प्लाट/ मकान/ फ्लैट आवंटन, पूजा सामग्री, धोती दुपट्टे, जैन विद्वान, पुजारी आवश्यकता, जन्म दिन-नववर्ष-वैवाहिक बधाई, शुभ कामना सन्देश, धार्मिक सामाजिक आयोजन, शुद्ध जैन खाद्य सामग्री यथा पापड़, अचार, नमकीन, मुरब्बा आदि, जैन तीर्थयात्रा, जैन होटल, जैन तीर्थक्षेत्र सिद्धक्षेत्रों के पर्यटन को बढ़ावा सम्बन्धी विज्ञापन, समाज की धार्मिक शैक्षणिक संस्थाओं के विज्ञापन, जैन पत्र पत्रिका संबंधी विज्ञापन, व्यवसायिक प्रतिष्ठान उद्घाटन, गृह प्रवेश, भगवान महावीर जयंती-पर्यूषण पर्व- दीपावली एवं नववर्ष की शुभकामनायें एवं बधाईयों के विज्ञापन कम खर्च में छपवाकर जैन समाज के लाखों लोगों तक अपनी बात पहुंचाईये। संपर्क - जैन गजट कार्यालय, नंदीश्वर फ्लोर मिल, ऐशबाग, लखनऊ- 226004 (उ. प्र.) फोन : 0522 - 2662589, 2661021, 9415108233, वाट्सअप 7607921391 Email- jain gazette2 @gmail.com, dmahasabha@yahoo.com, www.jaingajat.com

आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी के सान्निध्य में पंचकल्याणक के आयोजन

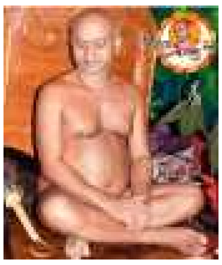

आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के ससंघ सान्निध्य में आगामी भव्य पंचकल्याणक भगवान शीतलनाथ की चार कल्याणक भूमि के मध्य भाग में स्थित चतरा में 23 से 28 मार्च, 2022 तक तथा भव्य पंचकल्याणक महोत्सव भगवान चंद्रप्रभु की 4 कल्याणक भूमि चंद्रापुरी बनारस में 11 से 14 अप्रैल, 2022 को सम्पन्न होगा।

जनसंख्या बढ़ाने हेतु जैन समाज का नया नारा हम दो हमारे 3 अपनायें

– अशोक जैन बड़जात्या

आगरा, दिनांक 17 मार्च। एम डी जैन इन्टर कॉलेज के नारायण भवन सभागार में आज जैन समाज की संसद कहलाने वाली संस्था दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक जैन बड़जात्या, इन्दौर का भव्य स्वागत आगरा दिगम्बर जैन समाज के द्वारा श्री प्रदीप जैन पीएनसी की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर दिगम्बर जैन महासमिति के सदस्यों के अलावा दि. जैन परिषद्, दि. जैन शिक्षा समिति, जैन मिलन, भारतीय जैन संगठन समेत अनेक संस्थाओं के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

श्री अशोक जैन बड़जात्या ने कहा कि समस्त जैन समाज को पन्त आदि के मतभेद भुलाकर एकजुट होकर जैन समाज की गिरती जनसंख्या को बढ़ाने के उपाय करने होंगे, उन्होंने जैन समाज के लिये हम दो हमारे तीन का नारा दिया। श्री जैन ने समाज में बढ़ती तलाक प्रथा, विवाह में हो रही देरी, जैन समाज का राजनैतिक भविष्य आदि विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने आगरा में समाज के मेधावी छात्रों के लिये इन्दौर की तर्ज पर आईएएस अकैडमी खोलने में सहयोग देने का प्रस्ताव दिया।

कार्यक्रम में श्री प्रदीप जैन पीएनसी, जितेन्द्र जैन, अशोक जैन एडवोकेट, राजेन्द्र जैन एडवोकेट, सुनील जैन ठेकेदार, निर्मल जैन मोठ्या, संभागीय अध्यक्ष श्री मुन्नालाल जी जैन, महिला संभाग की अध्यक्षा श्रीमती रेखा जैन, मंत्री सपना जैन, शशी बैनाड़ा, वन्दना जैन, अनन्त जैन, राकेश पार्षद, पारसबाबू जैन, अनिल आदर्श, कुमार मंगलम जैन, राहुल जैन, अमित जैन समेत अनेक लोग मौजूद रहे। सभा का संचालन श्री मनोज कुमार जैन बाकलीवाल ने किया।

– संजीव जैन संजीवनी

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के नवमनोनीत सदस्यों का किया भव्य स्वागत

जयपुर। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के नवमनोनीत रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या तथा राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष यशकमल अजमेरा का नव मनोनयन होने पर समाज के राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री सुरेंद्र कुमार-श्रीमती मृदुला पाण्ड्या के निवास स्थान पर स्वागत समारोह का भव्य समारोह किया। इस अवसर पर महेन्द्र कुमार पाटनी राष्ट्रीय परामर्शक, अनिल कुमार जैन रिटा. आईपीएस, रीजन संस्थापक अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार पाण्ड्या, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष नवीन सेन जैन, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष अतुल बिलाला, राष्ट्रीय वरिष्ठ अतिरिक्त महासचिव राकेश गोदीका, प्रधान सम्पादक शाबाश इंडिया, डाक्टर राजेन्द्र कुमार जैन, अध्यक्ष जयपुर मैन ग्रुप, सुनील कुमार बज अध्यक्ष गुलाबी नगर ग्रुप, सतीश बाकलीवाल अध्यक्ष स्वास्तिक ग्रुप, महेंद्र छाबड़ा, सचिव जयपुर मैन ग्रुप, श्रीमती मृर्दुला पाण्ड्या रीजन उपाध्यक्ष तथा राकेश संघी समाज श्रेष्ठी सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित थे व सभी ने माला पहनाकर अभिनंदन किया।

नव मनोनीत पदाधिकारियों को समस्त जैन समाज ने मंगलमयी शुभकामनाएं दी हैं।

– जैन गजट संवाददाता

धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के अवसर पर जैन गजट को सहयोग राशि भेजना न भूलें

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

DHAN KUMAR KOTHARI
M : 09810667754

SANJAY JAIN KOTHARI
M : 09435040533

KUNAL KOTHARI
M : 09560569111

KARAN KOTHARI
M : 09864218652

AUTOMOBILE CARRIERS

GUWAHATI :
5A, Mahabir Market, Fancy Bazar, Guwahati-781001, Assam
Email : automobilecarriers1@gmail.com

GURGAON :
S.No.35, Opp. Maruti Gate No.2, Old Delhi Gurgaon Road
Gurgaon-15, Haryana Email : sanjayjain@automobilecarriers.co.in

Web : automobilecarriers.co.in

Authorised Carriers for :
MARUTI SUZUKI, Mahindra, HYUNDAI, Hero, HONDA, YAMAHA, BAJAJ, SUZUKI, HONDA

With Best Compliments from

ASHOKA FURNISHINGS

a complete furnishing store

Babu Bazar, Fancy Bazar
GUWAHATI- 781001
0361-2514118, 2637326
Fax : 0361-2637325

Sanmati Plaza, G. S. Road. Guwahati-781005
2457801, 2457802

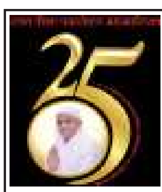

विज्ञा वाणी

मोक्षमार्ग एक ही है
और वह सीधा ही है।

अब मुश्किलें उन्हें होती हैं
जिनकी चाल टेढ़ी है।

भारत गौरव आर्यिकारत्न 105 विज्ञा श्री माताजी
जयपुर (राज.) में भव्य धर्म की प्रभावना बढ़ा रही हैं।

: नमनकर्ता :

प्रेमचन्द – पुष्पलता (बड़जात्या)

राहुल-प्रियंका (पुत्र पुत्रवधु) प्रियंका-राजकुमार गोधा (बेटी दामाद)
मौलिक, रितिशा (पौत्र पौत्री), नव्या, आर्जव (दोहिती दोहिता) चौरू वाले
चोमू बाग, सांगानेर, जयपुर (राज.)

जय जिनेन्द्र ।। अहिंसा परमोधर्म ।। जय जिनेन्द्र

25 वर्षों से अटूट विश्वास

शिवकुमार
श्रीमती मधु जैन

हमारे यहां वेदी, शिखर, मान स्तंभ, मेन गेट, श्रृंगार चौकी, रंग मण्डप, एवं मंदिर जी से संबंधित समस्त कार्य (नींव से शिखर तक) कांस्ट्रक्शन सहित मकराना, सफेद मार्बल का कार्य कुशल कारीगरों द्वारा बेदाग किया जाता है।

नोट- समस्त कार्य वास्तु को ध्यान में रखते हुए किया जाता है।

प्रोपराइटर – शिव कुमार जैन, दीपांशु जैन

– प्रतिष्ठान –

Shree Mahaveer Arts (Since-1996)
10/124, Swarn Path, Mansarovar Jaipur-302020
Phone : 9928367260, 9680111119

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के प्रमुख पदाधिकारी एवं जैन गजट का सम्पादक मंडल

अध्यक्ष
गजराज जैन गंगवाल
मैसर्स चन्द्रप्रभु इंटरनेशनल लि.
14, रानी झांसी रोड,
दिल्ली- 110055
मोबा. 09810900009

कार्याध्यक्ष
रमेश जैन तिजारिया
तिजारिया हाउस,
एफ-32, घीया मार्ग,
बनी पार्क, जयपुर
राज.- 302016
मोबा. 8290950000

महामंत्री
प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
135, Poonamalle High Road
Sapna Trade Centre,
5th Floor, Puruswalkam,
Chennai - 600084
Mob- 09840213132
Email- chennai@shriniwasa.com

अध्यक्ष परामर्शदाता समिति एवं पंजीकृत सम्पादक
कपूरचन्द जैन (पाटनी)
कामर्स हाउस, ए. टी. रोड,
गुवाहाटी-781001 (आसाम)
मो. 09864118950, 09854050969 (WAp)
email: kcjain39@gmail.com

सदस्य : परामर्श दाता समिति
शिवचरनलाल जैन, मैनपुरी
मो. 09219160350
सुरेश जैन 'सरल', जबलपुर
मो. 09425412374
श्री बसन्तसागर (शास्त्री), शिवाड़
मो. 8107581334

प्रधान सम्पादक
भरत कुमार काला
डी-317, एकता वुड,
राहेजा इस्टेट, कुलुपवाडी,
नेशनल पार्क के पास, बोरिवली
(पू.) मुम्बई-400066 (महा.)
फोन नं. 022-49782435, मो. नं. -09224296198
Bharatkumarkala@gmail.com

सह सम्पादक
डॉ. श्री महावीर शास्त्री, सोलापुर
मो. 09422457582
श्री विपीन कोटड़िया, हिम्मतनगर
मो. 09428281724

प्रकाशक, प्रबंध सम्पादक
सुधेश जैन, लखनऊ
मो. 09415108233
नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स
कम्पाउण्ड, ऐशबाग,
लखनऊ- 226004 (उ0प्र0)
dmahasabha@yahoo.com

दिल्ली कार्यालय
प्रबंधक
स्वराज जैन
मोबा. 09899614433
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा,
5, राजा बाजार, खण्डेलवाल जैन
मंदिर कॉम्प्लेक्स, कनॉट प्लेस,
नई दिल्ली- 110001
011-23344668, 23344669,
Web site: digjainmahasabha.org
digjainmahasabha@gmail.com
digjainmahasabha@yahoo.com

यदि आपको जैन गजट के लखनऊ कार्यालय में शिकायत करने के बाद भी जैन गजट नहीं मिल रहा है तो उसके लिये महासभा दिल्ली कार्यालय में सम्पर्क सूत्र- श्री कमल पाटोदी दिल्ली मोबा. 09871138842

हार्दिक शुभकामनाओं सहित...
SANTOSH JAIN & ASSOCIATES
SWATI VINIMAY & CONSULTANCY PVT. LTD.
ANAMICA TRADERS PVT. LTD.
L. N. FINANCE PVT. LTD.
OFFICE :
CITY TRADE CENTER
PNB Building, 4th Floor, A.T.Road, Guwahati-781001
M. : 94350-48488 (O) /97060-48488 (R) 99574-97927

सी. ए. (डॉ.) संतोष काला | श्रीमती सरिता काला | संदीप-स्वाति पाटनी | श्रेयांस काला

RESIDENCE : 401/501, Abhinandan Appartment, 4th Floor, H.S.Road, Chhatribari, Guwahati-781008
E-mail : casantoshkala@gmail.com
SHREE COMPLEX & SHREEMAN COMPLEX, P. O. BIJOYNAGAR-781122, DIST-KAMRUP (ASSAM)

सभी धर्मों में ऋषभदेव का उल्लेख है

– आचार्य श्री अतिवीर जी मुनिराज

जैन दर्शन के प्रथम तीर्थकर देवाधिदेव श्री ऋषभदेव भगवान तीसरे काल के अंत में निर्वाण पद की प्राप्ति कर समस्त सांसारिक बंधनों से मुक्ति प्राप्त की। शाश्वत जन्मभूमि अयोध्या में राजा नाभिराय व माता मरूदेवी के आंगन में जन्म लेकर भगवान ऋषभदेव ने प्राणी मात्र का कल्याण किया। भारतवर्ष के स्वर्णिम इतिहास में जैन दर्शन का अमूल्य योगदान है। जब कल्पवृक्ष लुप्त होने लगे तो जनमानस को जीवनयापन की चिंता होने लगी। ऐसे समय में भगवान ऋषभदेव ने असि, मसि, कृषि, शिल्प, वाणिज्य व कला का अद्भुत ज्ञान प्रदान कर जीवन जीने की कला सिखाई। अपनी दोनों पुत्रियों, ब्राह्मी व सुंदरी को अंक व लिपि का ज्ञान देकर महिला सशक्तिकरण का एहसास लोगों को करवाया। इसी कारण ब्राह्मी लिपि नामकरण हुआ। आपने न्याय व नीतिपूर्वक राज्य कर समस्त सांसारिक सुखों से वैराग्य धारण कर कर्मो की निर्जरा हेतु जैनेश्वरी दीक्षा अंगीकार की तथा वन की ओर प्रस्थान किया। अपने साथ हजारों अन्य राजाओं ने भी आपके मार्ग का अनुसरण किया। दीक्षा लेते ही आपने मौन धारण कर लिया।

आप अपने आत्मसाधना में निरंतर आरूढ़ रहे परन्तु आपकी कठिन चर्या से च्युत होकर अनेक राजाओं ने अन्य मार्ग को अपना लिया। जैन मुनि की आहारचर्या का किसी को भी ज्ञान न होने से आपको आहार नहीं मिला और फिर जब आप हस्तिनापुर नगरी पहुंचे तो वहां के राजा श्रेयांस को जातिस्मरण से आहारचर्या का ज्ञान हुआ और उन्होंने आपको नवधाभक्ति पूर्वक इक्षुरस का आहार करवाया। तभी से वह दिन अक्षय तृतीया के रूप में लोक प्रचलित हुआ जो आज भी जनमानस मना रहा है। कैवल्यज्ञान की उत्पत्ति के पश्चात् आपके दिव्य समवशरण का नगर-नगर में मंगल विहार हुआ तथा आपकी दिव्यवाणी से ज्ञानपिपासुओं की क्षुधा शांत हुई। जीवन के अंतिम पड़ाव में आप कैलाश पर्वत के उच्च शिखर पर ध्यानस्थ हुए जहां से आप समस्त कर्मो की निर्जरा कर परम पद में सदा के लिए अवस्थित हो गए। यह कहना कोई अतिशयोक्ति न होगी कि आपने अपने आदर्श जीवन व सदुपदेशों से जीन व मरने की सम्यक कला का ज्ञान दिया। भगवान आदिनाथ के नाम से आपका उल्लेख लगभग सभी मान्यताओं के प्राचीन ग्रंथों में स्पष्ट रूप से उल्लेखित है। आपके ज्येष्ठ पुत्र चक्रवर्ती भरत ने भी छह खण्ड के राज्य को त्याग कर जैनेश्वरी दीक्षा अंगीकार की तथा कर्मो की निर्जरा कर मोक्ष प्राप्त किया। इन्हीं चक्रवर्ती भरत के नाम पर हमारे देश का नाम भारत पड़ा, जिसका उल्लेख विष्णु पुराण में भी मिलता है। हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू जी ने उड़ीसा स्थित खारवेल के शिलालेख पर 'भरतस्य भारत' प्रशस्ति देखकर ही इस देश का संवैधानिक नाम भारत किया था। इजराइल में भगवान ऋषभदेव के माता-पिता नाभिराय व मरूदेवी की पूजा अर्चना भक्तिपूर्वक की जाती है। आपके ही पुत्र बाहुबली ने कठोर तप कर सिद्धत्व की प्राप्ति की जिनकी 57 फीट विशाल खड्गासन प्रतिमा कर्णाटक के श्रवणबेलगोला में उत्तुंग खड़ी है और विश्व को दिगम्बरत्व का दिव्य सन्देश प्रदान कर रही है। प्रथम तीर्थकर देवाधिदेव ऋषभदेव भगवान का जन्म कल्याणक दिवस जैन धर्मावलम्बियों के साथ-साथ समस्त देशवासियों के लिए हर्षोल्लास का प्रतीक है।

– समीर जैन, दिल्ली

आर्यिका सुप्रकाशमति माता जी गुरूभक्त शिरोमणि पद से अलंकृत

राष्ट्र संत गुरू मां गणिनी आर्यिका 105 श्री सुप्रकाशमति माताजी को श्रवणबेलगोला स्वस्ति श्री चारूकीर्ति स्वामी जी एवं सकल जैन समाज श्रवणबेलगोला द्वारा गुरूभक्त शिरोमणि पद से अलंकृत किया। महासभा उपाध्यक्ष श्री राजेश बी शाह अनुसार गुरू मां का श्रवणबेलगोला आगमन एवं प्रवास पर स्वस्ती श्री चारूकीर्ति स्वामी जी ने बताया कि गुरू माँ का भक्ति शक्ति एवं स्नेह इतना है कि 1993 का पूरा मस्तकाभिषेक बाल वय होते हुए पूर्ण रूप से सम्भाला और वर्तमान में आप पुनः श्री क्षेत्र पर पधारीं तो मुझे मस्तकाभिषेक याद आ गया। आप मात्र 13 वर्ष में घर छोड़कर आर्यिका पद पाया और कई क्षेत्रों का आपने जीर्णोद्वार करवाया और अपने गुरू आचार्यरत्न अभिनन्दन सागर जी महाराज को समर्पित अभिनन्दन साधना केंद्र का निर्माण कर अपने जीवन में गुरू का मान बढ़ाया, ऐसे गुरू मां को हम यहां पाकर धन्य हो गए और गुरू मां को हम कुछ दे नहीं सकते केवल उनके पद में मान बढ़ा सकते हैं, इससे प्रभावित होकर आज आपको गुरूभक्त शिरोमणि पद से अलंकृत करते हैं। आप अपनी साधना से इस समाज में कम से कम 105 नई आर्यिका को पद दे इतनी आपमें योग्यता और ज्ञान है। मैं गुरू मां को वंदन करते हुए यही भावना भाता हूं कि आप राजस्थान की वीर धरा से जन्म लेकर कर्नाटका से कर्म कर सम्पूर्ण भारत में धर्म पताका लहरा रही हैं। आपने

राजस्थान के झीलों की नगरी में अद्भुत ध्यान तीर्थ की रचना की। वहां आप बालिका शिक्षा पर विशेष ध्यान देकर आगे बालिका हॉस्टल का निर्माण भी करवा रही हैं और समाज को जाग्रत कर रही हैं। मुझे बहुत ही आपसे प्रेरणा मिल रही है। संघ संचालक ओम प्रकाश गोदावत ने बताया कि गुरू मां का 16 मार्च को विहार शिवमोगा होते हुए 14 अप्रैल को बेलगाम महावीर जयंती के लिए हो गया। आप नये युवा को जोड़ते हुए संस्कार का नया अलख जगा रही हैं।

जैन गजट का
भ. महावीर जयन्ती
विशेषांक
आगामी दिनांक
11 अप्रैल एवं 18 अप्रैल
2022 का प्रकाशित होगा।
विज्ञापन संपर्क–
8081191814,
7505102419,
7880978415
9415108233

निर्मल - पुष्पा बिन्दायका
बगरू निवासी कोलकाता प्रवासी
EVER GREEN
be positive get positive
Evergreen Hosiery Industries
Corp. Office : 39, Tara Chand Dutta Street, 2nd Floor
Opp. : Moonlight Cinema, Kolkata - 700 073 (W.B.)
Phone : 033 4001 0686, 91633 91228, 80131 20773
Email : evergreenhosieryindustries@yahoo.com
Website : www.evergreenhosieryindustries.com
Hello Bebe
LITTLE POPS
KIDS WEAR
MAHAVEER SAREE
Address : 446, Abhishek Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 75750 41434
Young India Fashions
Address : 123, Lake Town, Block-B (Near Sagar-Sangam) Kolkata - 700 089
Mobile : 98300 05085, 98302 75490
EVERGREEN CREATION
Address : 507-508, Abhishek Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 98280 18707, 97279 82406

सम्पादकीय सेवा धर्म समाज की आगम के अनुकूल। यह पुनीत उद्देश्य है जैन गजट का मूल।।

प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभनाथ–आदिनाथ का जन्मोत्सव

अनादि निधन विश्व में उत्तमोत्तम अनादिनिधन जिनागम संस्कृति के अनुसार लाखों लाखों वर्ष पूर्व हुए महापुण्य पुरूष प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभनाथ–आदिनाथ का चैत्र वद्य याने फाल्गुन वद्य नवमी (नौमी) के दिन जन्म हुआ था।

"चैत्र (चैत) वदी (फाल्गुन वदी) नवमी दिना, जनम्या श्री भगवान।
सुरपति उत्सव अति करया (करा) मैं पूजौं धरि ध्यान।।"

लाखों लाखों वर्ष पूर्व लाखों लाखों वर्षकाल खंड में इस भरत खंड में वर्तमान में हुए 24 तीर्थंकरों के जीवन से संबंधित महत्वपूर्ण 5 घटनाऐं जैसे माँ के गर्भ में आना, जन्म होना, समग्र संसार के भौतिक सुखों का भोग कर उसका तत्काल त्याग करना अर्थात् सन्यास दिगम्बर जैन मुद्रा स्वीकार करना, घोर तपश्चरण कर केवलज्ञान को प्राप्त करना और जन्म मरण के चक्र को सदा सदा के लिए विच्छेद करना अर्थात् मोक्ष को प्राप्त कर देना आदि की जो तिथियाँ पूर्वाचार्यो ने परम्परा से चली आ रही हैं, का कथन किया है, को इन लाखों वर्ष में निर्मित अनेकों भिन्न–भिन्न मतावलंबियों ने, आम्नायों ने ज्योंकि–त्यों स्वीकार किया है यह अवश्य ही संतोषप्रद बात है। हाँ? आज से मात्र करीब दो हजार पांच सौ पचास वर्ष पूर्व हुए 24वें और अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर एवं इनके पूर्व आज से तीन हजार वर्ष पूर्व हुए तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ और आज से करीब पांच हजार वर्ष पूर्व हुए बाईसवें तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान के इन पांच तिथियों के संबंध में अवश्य भिन्न–भिन्न मत प्रचलित हैं। क्योंकि तब तक अनेकों आम्नायों और भिन्न–भिन्न मतों की स्थापना वस्तुस्वरूप के संबंध में भिन्न–भिन्न मतों की स्थापना ने जन्म लेना शुरू कर दिया होने से तिथियों की मान्यताओं में भी विपरीतता आ गयी थी। जो भी हो प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभनाथ–आदिनाथ के संबंध में निर्धारित तिथियों में कोई परिवर्तन परिलक्षित नहीं देखा जा रहा है।

प्रसिद्ध पुरानकार आचार्य श्री रविषेण स्वामी कहते हैं कि जब इस अनादि निधन विश्व जगत् में धर्म–वस्तु स्वरूप के प्रति तीव्र ग्लानि बढ़ जाती है, सत्पुरूषों को अपार कष्ट उठाना पड़ता है तथा पाप बुद्धि वालों के पास विभूति का उदय होता है, तब तीर्थंकर रूप महान् आत्मा उत्पन्न होकर सच्चे आत्मधर्म की प्रतिष्ठा बढ़ाकर जीवों को पाप से विमुख बनाते हैं। उन्होंने पद्म पुराण में कहा है –

"आचाराणां विद्यातेन कुदृष्टिनामचः च सम्पदा।
धर्म ग्लानि परिप्राप्त मुच्छयन्ते जिनोत्तमाः।" (5–206)

चिंतक स्व. श्री पं. सुमेरचंद जी दिवाकर अपनी कृति 'तीर्थंकर' में लिखते हैं :– जब उत्तम (निर्मल पवित्र) आचार का विघात होता है, मिथ्या धर्मियों के समीप श्री की वृद्धि होती है, सत्य धर्म के प्रति घृणा, निरादर का भाव उत्पन्न होने लगता है, तब तीर्थंकर उत्पन होते हैं और सत्य धर्म का उद्धार करते हैं।

तीर्थ करोतीति तीर्थकरा : का अर्थ है कि जिनके वाणी के द्वारा संसार सिंधु से जीव तिर जाते हैं, वे तीर्थ के कर्ता तीर्थंकर कहे जाते हैं। इन तीर्थंकरों के द्वारा प्रदर्शित रत्नत्रय (अर्थात् सम्यग्दर्शन–सम्यज्ञान–सम्यग्चारित्र) पथ का अवलम्बन लेने वाला जीव संसार सिंधु में न डूब कर चिन्तामुक्त हो जाता है।

कहा गया है कि जिनेन्द्र वाणी के द्वारा जीव अपनी आत्मा को परम उज्जवल बनाता है। ऐसी रत्नत्रय भूषित आत्मा भाव तीर्थ है। जिनेन्द्र रूप भाव तीर्थंकर के समीप में सोलहकारण भावना भाने में समर्थ सम्यक्त्वी जीव तीर्थंकर बनता है। ऐसे जीव ही श्रुत–रूप तीर्थ की रचना में समर्थ होते हैं।

तीर्थंकर प्रकृति का बंध करने वाले जीव का गर्भकल्याणक जन्म कल्याणक तप कल्याणकत्रय होते हैं। केवलज्ञान और मोक्ष कल्याणक होते हैं।

भरत क्षेत्र (खंड) सम्बन्धी वर्तमान चौबीस तीर्थंकर स्वर्ग सुख भोगकर भरत क्षेत्र में उत्पन्न हुए थे। तीर्थंकर प्रकृति बंध के कारण ऐसे जीवों के जीवन में सदैव विलक्षण और अन्य जीवों में न घट आने वाली उत्तमोत्तम सुखरूपी घटनाएं घट जाती हैं।

भगवान ऋषभनाथ–आदिनाथ भरत क्षेत्र सम्बन्धी वर्तमान चौबीस में प्रथम तीर्थंकर थे। वे कब हुए है इस सम्बन्ध में इतना ही कहा जाता है कि आज से लाखों वर्ष पूर्व वर्तमान हुंडावसर्पिणी काल के अवसर्पिणी के छह काल भागों में से तृतीय काल के अर्थात् सुखमा–दुखमा काल के तृतीय भाग के समाप्त होने से पूर्व इस भरतक्षेत्र के आर्य खंड में चैत्र (फाल्गुण) वदी नवम्या के दिन उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में सूर्योदय के समय प्रथम तीर्थंकर ऋषभनाथ भगवान् आदिनाथ का जन्म हुआ था।

जिस समय प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभनाथ–आदिनाथ का जन्म हुआ, उस समय के आनन्द और शांति का कौन वर्णन कर सकता है? अन्तःकरणों में सभी जीवों ने जिनेन्द्र जन्मजनित आनन्द का अनुभव किया था। त्रिभुवन के सभी जीवों को सुख प्राप्त हुआ था। जन्म के समय जननी को कोई कष्ट नहीं हुआ था। देवियाँ सेवा में तैयार थीं। नैसर्गिक वातावरण रमणीय और सुन्दर हो गया था। नमोमण्डल अत्यन्त स्वच्छ था। मन्द, सुगंधित पवन का संचार हो रहा था। आकाश से सुगन्धित पुष्पों की वर्षा हो रही थी। प्रजा का हर्ष बढ़ रहा था। देव आश्चर्य को प्राप्त हो रहे थे। कल्पवृक्ष प्रचुर प्रमाण में प्रफुल्लित पुष्पों की वर्षा कर रहे थे। मृदु, शीतल और सुगंधित पवन मन्द मन्द बह रही थी। पृथ्वी भी हिलने लगी थी। समुद्र भी परम आनन्द को प्राप्त हो रहा था। प्रभु के जन्म होते ही भवनवासी देवों के यहां शंख ध्वनि अपने आप होने लगी थी। व्यंतर देवों के यहां भेरीनाद होने लगा। ज्योतिषी देवों के यहां सिंहनाद हुआ तभी कल्प वासियों के यहां स्वयंमेव घंटा बजने लगे।

इसी समय सौधर्मेन्द्र का आसन कम्पित हुआ तथा मस्तक झुक गया था। सौधर्मेन्द्र चकित हो सोचने लगे कि यह किस निर्भय, शंका रहित, अत्यन्त बाल स्वभाव, मुग्ध प्रकृति, स्वच्छन्द भाव वाले तथा शीघ्र कार्य करने वाले व्यक्ति का कार्य है? तीनों लोकों में ऐसा प्रभाव तीर्थंकर भगवान के सिवाय अन्य में सम्भवनीय नहीं है।

अवधि ज्ञान द्वारा यह ज्ञात होने पर कि भरतक्षेत्र में महाराज नाभिराज के यहां ऋषभनाथ तीर्थंकर का जन्म हुआ है, तत्काल वह विस्मयभाव महान् आनन्द रस में परिणत हो गया था। जिनेन्द्र भगवान जयवंत हो ऐसा कहकर सात पैड जा हाथ जोड़कर सौधर्मेंद्र ने जिनेन्द्र भगवान को परोक्ष रूप से प्रणाम किया।

तीन लोक के स्वामी तीर्थंकर का जन्म हुआ है जानकर अपनी इन्द्र पर्याय को पुण्यवर्धन करने का यह सर्वोत्तम उपाय और अप्रतिम सुअवसर सोचकर पूरे वैभव और दल बल और परिवार के साथ वह राजा नाभिराय के दरबार में भगवान् ऋषभनाथ का जन्मोत्सव मनाने के लिए आता है। उस समय शोक, विषाद, संताप आदि विकारों का अभाव हो जाता है। सर्वजगत् आनन्द के सिंधु में रत हो जाता है, हो गया था। शान्ति का सागर दिग् दिगन्त में लहरा रहा था।

– शेष पृष्ठ 10 पर

'श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा' का सदस्यता शुल्क

केंद्रीय स्तर पर आजीवन सदस्य (अवधि 10 वर्ष) –
कुल शुल्क (जैन गजट के शुल्क रू. 9,900/– सहित) रू. 11,000/– 'जैन गजट' साप्ताहिक 10 वर्ष तक साधारण डाक से भेजा जायेगा।
राज्य स्तर पर आजीवन सदस्य (अवधि 10 वर्ष) – कुल शुल्क रू. 300/– डिजिटल 'जैन गजट' 10 वर्ष जायेगा।
उक्त श्रेणी एवं सदस्यता शुल्क वर्तमान में चल रहा है एवं पूर्व में ही लागू हो चुका है।

सदस्यता शुल्क पंजाब नेशनल बैंक, राजेन्द्र नगर ब्रान्च, लखनऊ में श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के एकाउण्ट नम्बर 2405 0001 000 33312 में जमा किया जा सकता है, जिसकी डिपोजिट स्लिप प्रेषित करें। कार्यालय में नगद दिया जा सकता है या मनीआर्डर, चैक, बैंक ड्राफ्ट या ऑनलाइन भेजा जा सकता है। ऑनलाईन RTGS/NEET/IFS के लिए CODE-PUNB 0185 600 है, जिसकी स्क्रीन शॉट की फोटोकॉपी सदस्यता फार्म के साथ निम्न पते पर भेजें – श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा कार्यालय श्री नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग, लखनऊ–226004 (उ.प्र.) फोन : +91 522-2662589, 522-2661021 मोबाइल : +91 9415108233 व्हाट्सएप्प नं. – +91 7607921391 ईमेल : dmahasabha@yahoo.com www.jaingajat.com

जैन गज़ट (JAIN GAZETTE WEEKLY) साप्ताहिक

जैन गजट के सदस्य बनकर घर बैठे देश भर के जैन समाज की गतिविधियों के समाचार, मुनिराजों के प्रवचन, आगम प्रधान लेख, साहित्य समीक्षा, महासभा की गतिविधियां, विविध समाचार, प्रति सप्ताह पढ़ें। इसका उद्देश्य मात्र सम्पूर्ण विश्व में जैन धर्म का प्रचार प्रसार करना है। यदि आप सदस्य नहीं हैं तो बनकर सहभागी बनिये।

जैन गजट के सदस्य कैसे बनें

सदस्य बनने हेतु सदस्यता राशि 'जैन गजट' के नाम से ड्राफ्ट द्वारा निम्न पते पर भिजवायें या फिर आप अपने नगर के पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी शाखा में 'जैन गजट' लखनऊ के सेविंग एकाउंट नं. 2405000100102500 (RTGS/NEFT IFS CODE - PUNB 0185600) में ऑन लाइन के द्वारा नकदी या चेक से सहयोग या सदस्यता राशि जमा कर सकते है। राशि जमा करने के पश्चात् लखनऊ कार्यालय को अपने पूरे पते, फोन नम्बर तथा ई मेल पते सहित अवश्य सूचित करने का कष्ट करें।

वेबसाइट www.jaingajat.com
ईमेल dmahasabha@yahoo.com
jaingazette2@gmail.com

जैन गजट की संशोधित सदस्यता श्रेणी एवं शुल्क दिनांक 1 अप्रैल, 2022 से लागू

वार्षिक (एक वर्ष) : 300/रु.,
आजीवन (दस वर्ष): 2100/रु.,

उक्त दोनों श्रेणियों में जैन गजट पंजीकृत समाचार पत्रों के लिये निर्धारित रियायती डाक शुल्क (साधारण डाक) से जायेगा।

जैन गजट कोरियर से मंगाने पर सभी श्रेणियों में दिल्ली व उ. प्र. में 1000/– तथा अन्य प्रदेश में 1500/– रू. प्रति वर्ष अतिरिक्त शुल्क देय होगा। उक्त सदस्यता श्रेणी के अतिरिक्त जैन गजट में अन्य किसी भी प्रकार की श्रेणी नहीं है।

जैन गजट विज्ञापन दरें

भीतरी पृष्ठों पर :	120/– PCC
अंतिम पृष्ठ पर :	140/– PCC
प्रथम पृष्ठ पर :	180/– PCC
पूरा एक पृष्ठ : (भीतर) 38x25 से. मी.	15,000/–
पूरे दो पृष्ठ एक साथ (भीतर) : 38x50 सेमी.	25,000/–
पूरा एक पृष्ठ (अंतिम पृष्ठ) जैकिट 38x25 सेमी.	17000/–
पूरा एक पृष्ठ (प्रथम पृष्ठ) जैकिट 30x 23 सेमी.	25000/–
आधा पृष्ठ : भीतरी पृष्ठ 19x25 से4मी.	9000/–
चौथाई पृष्ठ : भीतरी पृष्ठ 15x13 सेमी.	5000/
आधा पृष्ठ : अंतिम पृष्ठ 19x25 से4मी.	10,000/–
चौथाई पृष्ठ : अंतिम पृष्ठ 15x13 सेमी.	6000/
पूरे एक पृष्ठ में चौथाई पृष्ठ के एक साथ चार विज्ञापन (भीतर b/w) (19 X 11.5 से. मी.) :	5000/–
पूरा एक पृष्ठ (रंगीन) भीतर : 38 x25 सेमी.	40,000/–
पूरे दो पृष्ठ (रंगीन) भीतर : 38 x50 सेमी.	70,000/–
चार पृष्ठ (रंगीन) भीतर :	1,20,000/–
पहला एवं अंतिम पृष्ठ (रंगीन) जैकिट 30x25 एवं 38x25	80,000/–
प्रथम पृष्ठ (रंगीन) जैकिट 30x25 सेमी. :	50,000/–
अंतिम पृष्ठ (रंगीन) जैकिट 38x25 सेमी. :	45,000/–
शुभकामना/बधाई सन्देश विज्ञापन (भीतर b/w) (135 वर्ग से. मी.) :	2500/–
शुभकामना/बधाई सन्देश विज्ञापन (भीतर b/w) (108 वर्ग से. मी.) :	2000/–
शुभकामना/बधाई सन्देश विज्ञापन (भीतर b/w) (72 वर्ग से. मी.) :	1500/–
शुभकामना/बधाई सन्देश विज्ञापन (भीतर b/w) (54 वर्ग से. मी.) :	1100/–

फुल पेज, आधा पेज एवं चौथाई पृष्ठ के पुण्य तिथि/श्रद्धांजलि के विज्ञापनों पर उक्त दरों में 10 प्रतिशत की छूट रहेगी।

कलर्ड में एक पृष्ठ से कम साईज का विज्ञापन प्रकाशित नहीं किया जाता है। जैन गजट की अतिरिक्त प्रतियां मंगवाने पर एक प्रति का 8/– रू. के हिसाब से राशि देय होगी तथा डाक/कोरियर या अन्य खर्च भी देय होगा। पृष्ठ 1 पर कलर्ड या ब्लैक एंड व्हाइट जैकिट छपने पर पृष्ठ संख्या 1 के लिये पूर्व में बुक किये गये विज्ञापन पृष्ठ संख्या 3 पर प्रकाशित द्वितीय मुख पृष्ठ पर प्रकाशित किये जाते हैं। इसी प्रकार जैकिट छपने की स्थिति में पृष्ठ 16 पर प्रकाशित पृष्ठ 14 पर प्रकाशित किये जाते हैं। कलर्ड विज्ञापन का मैटर प्रकाशन तिथि से 15 दिन पूर्व तथा ब्लैक एंड व्हाइट विज्ञापन का मैटर प्रकाशन तिथि से 10 दिन पूर्व जैन गजट कार्यालय में प्राप्त होना अनिवार्य है। विज्ञापन प्रकाशन हेतु अग्रिम राशि भेजना आवश्यक है। विज्ञापन में ग्राफिक डिजाइन का कार्य होने पर विज्ञापन प्रेषक को ही सुनिश्चित साइज अनुसार विज्ञापन बनवाकर भेजना होगा।

जैन गजट को प्रकाशनार्थ भेजे जाने वाले वैवाहिक विज्ञापन या बधाई के समाचार जिनमें सहायता राशि जैन गजट को दी जाती है, उसमें जाति एवं गोत्र लिखना आवश्यक है। संस्था के नियमानुसार जैन गजट में दिगम्बर जैन सजातीय विवाह के समाचार (बधाई के) एवं विज्ञापन ही प्रकाशित किये जाते हैं।

शोक एवं श्रद्धांजलि के समाचार भी विज्ञापन के रूप में ही उक्त विज्ञापन दरों के अनुसार ही प्रकाशित किये जायेंगे। यानी जिस साइज में समाचार आयेंगे उसी अनुसार विज्ञापन शुल्क देय होगा। फुल पेज का शोक/श्रद्धांजलि का समाचार प्राप्त होने पर 200 शब्दों का संबंधित महानुभाव का समाचार या परिचय आलेख निशुल्क प्रकाशित किया जा सकेगा।

विज्ञापन संपर्क– 0522-2662589, 2661021, 9415108233

'Jain Gazette' A/c No.
2405000100102500
(RTGS/NEFT IFS CODE - PUNB 0185600)
(Punjab National Bank, Rajender nagar, Lucknow)
Pin code ---- 226004

संपर्क सूत्र, सदस्यता राशि भेजने का पता

जैन गजट कार्यालय श्री नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग, लखनऊ– 226004, फोन– 0522– 2662589, 2661021

जैन गजट संबंधी सभी विवादों के लिये न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा। लेखक के विचारों से संस्था या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

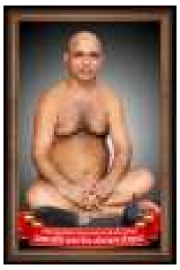

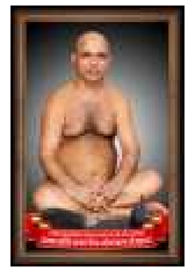

सम्पूर्ण भारतवर्ष के मुनि संघों के श्री चरणों में शत् शत् नमन, वन्दन, अभिनंदन, नमोस्तु।
सत्य, अहिंसा, विश्वशान्ति के अग्रदूत, जन जन के आराध्य, वर्तमान शासन नायक, भगवान महावीर स्वामी की 14 अप्रैल 2022 को 2621 वीं
जन्म जयंति पर मंगलमयी हार्दिक शुभकामनाऐं
भगवान महावीर स्वामी का यह जन्म जयन्ती महोत्सव हम और आप सभी का एवं सभी प्राणियों का मंगल करे।
सुख और समृद्धि प्रदान कर समृद्धिशाली बनाये

महावीर स्वामी का शुभ संदेश– ''जिओ और जीने दो''

: शुभाकांक्षी एवं नमनकर्ता :

निर्मल पुष्पा जी बिंदायका, जेसिका बिन्दायका बगरू वाले
अध्यक्ष – तीर्थ संरक्षिणी महासभा पश्चिम बंगाल कोलकाता

स्व. श्री लालचंद जी स्व. श्रीमती मोहिनी देवी बिन्दायका के परिवारजन, बगरू वाले

(एवरग्रीन होजीयारी) कोलकाता बगरू निवासी एवं कोलकाता प्रवासी

–: प्रतिष्ठान :–

- **Evergreen Hosiery Industries,** Corp. Office : 39, Tara Chand Dutta Street, 2nd Floor, Opp. Moonlight Cinema, Kolkata-700073 Phone : 03322680322, 40611174
- **Mahaveer Saree,** 446, Abhishek Market, Ring Road, Surat Ph. 7575041434
- **Evergreen Creation,** 507, 508, Abhishek Market Ring Road, Surat Ph. 9727982406, 9828018707

संकलन : राजाबाबू गोधा, फागी, जैन गजट संवाददाता फागी एवं राजस्थान मो. 09460554501

जैन गजट में प्रकाशनार्थ लेख, फोटो, समाचार, विज्ञापन
आप WhatsApp पर मोबाइल नं. 07607921391 पर भी भेज सकते हैं।
विज्ञापन संपर्क- 0522-2662589, 2661021, 9415108233

भगवान महावीर स्वामी की 14 अप्रैल 2022 को 2621वीं जन्म जयन्ती पर मंगलमयी हार्दिक शुभकामनाऐं एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष के दिगम्बर जैन साधु सन्तों के श्री चरणों में कोटि-कोटि नमोस्तु, वन्दामि एवं इच्छामि।

भगवान महावीर स्वामी की जन्म जयन्ती आप सभी के लिए मंगलमय हो।

शुभाकांक्षी

नवरत्न जैन - श्रीमती शकुन्तला जैन, फागी वाले जयपुर, चण्डीगढ़
निवर्तमान अध्यक्ष : श्री दिगम्बर जैन समाज, चण्डीगढ़

विनोद कुमार-श्रीमती सुलोचना जैन, प्रमोद कुमार-श्रीमती विनिता जैन, राजेश कुमार-श्रीमती स्नेहलता जैन, दीपक कुमार-श्रीमती चेतना जैन सहित सभी (चौधरी) जैन परिवार फागी, जयपुर वाले (चण्डीगढ़)

फर्म : पी. के. एजेन्सीज, आर्टिफिशियल ज्वैलरी (चण्डीगढ़) एवं जैन एजेन्सीज, वैशाली बिन्दी के विक्रेता, सदर बाजार, नई दिल्ली

पता : 713, सैक्टर - 40 ए, चण्डीगढ़ (यू. टी.)
मो. 09417112412, 0172-2698229

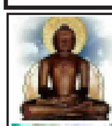

भ. महावीर स्वामी की १४ अप्रैल २०२२ को २६२१वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

: शुभाकांक्षी :

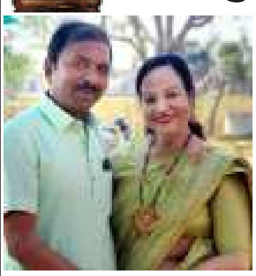

(स्व. श्री सलेख चंद जैन एवं स्व. श्रीमती शांति देवी जैन के परिवारजन) श्री परवेश कुमार जैन-श्रीमती मीनाक्षी जैन (पुत्र-वधु), प्रांशु, परितेश जैन (पौत्र), प्रिशा जैन, लब्धी जैन (पढ़पोत्रियां), सुशील जी जैन-श्रीमती डा. प्रीति जैन (पौत्री-पौत्री दामाद) आध्या जैन (दोहिती) सहित सभी परिवारजन, सहारनपुर वाले

प्रसिद्ध समाज सेवी
परवेश जैन मीनाक्षी जैन

आवास : 31, गायत्री नगर, चित्रकूट कॉलोनी, सांगानेर, थाना जयपुर-302015 (राज.)
मो. 9024074666

सत्य अहिंसा विश्व शांति के अग्रदूत, वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की दिनांक 14 अप्रैल, 2022 को 2621वीं जन्म जयंती पर
बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

: शुभाकांक्षी :

डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन - श्रीमती उर्मिला जैन
राजीव-सोनल जैन, अमित-स्वाति जैन, यश, संजना, श्रीया, राज जैन

आवास : डी/58, सरोज निकेतन, ज्योति मार्ग, बापू नगर, जयपुर-302015 (राज.) मो. 9829123527

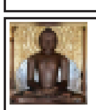

जैन धर्म के 24वें तीर्थकर भगवान महावीर स्वामी की 14 अप्रैल, 2022 को 2621वीं जन्म जयन्ती पर हार्दिक
बधाईयां एवं शुभकामनाएं

-: शुभाकांक्षी :-

स्व. श्री फूलचन्द जी सोनी एवं मातोश्री स्व. श्रीमती मानबाई, स्व. सुकुमार जैन सोनी के परिवारजन
श्रीमती आशा जैन धर्मपत्नी स्व. सुकुमार जैन, सुरेश कुमार-सुशीला जैन (पुत्र-वधु), तेज प्रकाश-तिलका, विकास-सुप्रिया, धवल-खुशबू (पौत्र-वधु), कुणाल, अतिशय, अमोल व काश्वी (पड़पौत्र, पड़पौत्री) सहित समस्त सोनी परिवार उदयपुर वाले, जयपुर (राज.)

निवास : सी-49, खादी कॉलोनी, बजाज नगर, जयपुर - 302015
36, तारानगर विस्तार जगतपुरा, जयपुर मो. 9252750400

शेष पृष्ठ 3 का..........

विशाल रथयात्रा के साथ विधान का समापन

से निर्मित त्रिकाल चौबीस जैन मंदिर में पंडित अभिषेक शास्त्री के निर्देशन बहुत ही सुंदर तरीके से आगम के अनुरूप श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डुबाते हुये प्रतिदिन पूजा पाठ आराधना सैकड़ों श्रद्धालुओं के द्वारा की गई। संगीत की सुमधुर ध्वनियों के साथ विधान में भक्ति देखते ही बनती है। गागर में सागर भरते हुये भैया जी ने विधान में चार चांद लगा दिए। विधान में मंगल ध्वजारोहण ज्ञानचंद जैन, श्रीमती श्रद्धा जैन , विधान की पूजन सामग्री के पुण्यार्जक बाबू लाल जैन, श्रीमती विमला जैन रहे। मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर जैन सरवाडिया एवं महामंत्री पवन पाटोदी ने बताया कि कल दिनांक 19 मार्च को प्रातः नित्य अभिषेक के बाद विश्व में शांति की मंगल कामना से विश्व शांति महायज्ञ आयोजित किया गया। मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष ज्ञानचंद जैन एवं कार्याध्यक्ष अनुज गोधा ने बताया कि विश्व शांति महायज्ञ के बाद मंदिर परिसर से विशाल रथयात्रा निकाली गई जिसको जैन समाज के युवाओं ने स्वयं अपने हाथों से खींचा। रथयात्रा में बैंड बाजे दो बागियाँ एक रथ था जिसमें श्री जी रथ पर विराजमान थे। विभिन्न चौराहे पर होते हुये रथयात्रा मंदिर परिसर में आई जहां अभिषेक किया गया। जैन गजट संवाददाता पारस जैन 'पार्श्वमणि' पत्रकार ने बताया कि विशाल रथयात्रा में महिलायें केसरिया साड़ी और पुरूष सफेद परिधान में रहे। गाजे-बाजे के साथ संगीत की सुमधुर ध्वनियों के बीच भक्तिरस में नृत्य करते हुये चल रहे थे। बाद में वात्सल्य भोज की शानदार व्यवस्था की गई। आयोजन को सफल बनाने में मनीष जैन, चन्द्रेश जैन, राकेश जैन, पंकज जैन, भागचंद मित्तल, मुकेश जैन, राजकुमार जैन, अशोक पाटनी, सुरेन्द्र जैन, विमल चंद जैन का अविस्मरणीय योगदान रहा।

– पारस जैन पार्श्वमणि, कोटा

शीघ्र आवश्यकता है

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा एवं जैन गजट साप्ताहिक के सदस्य बनाने, विज्ञापन बुक करने एवं संस्था का प्रचार प्रसार करने हेतु देश भर में प्रचारकों की आवश्यकता है। वेतन एवं अन्य लाभ योग्यतानुसार। आवेदन वाट्सअप नं. 76079 21391 एवं 9415108233 पर भेजिये। जिला संवाददाता हेतु भी आवेदन भेजिये। आवेदन प्राप्त होने पर आपसे संपर्क किया जावेगा

संपर्क– 0522-2662589, 2661021, मो. 7607921391 वाटसअप, 9415108233, 8081191814, 7505102419, 7880978415 dmahasabha @yahoo.com

-प्रबंध सम्पादक जैन गजट

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

सुरेश कुमार-ललिता देवी बाकलीवाल,
अमित कुमार- स्नेहा देवी बाकलीवाल
कैयरा, जेस्वी, शारव बाकलीवाल

सुरेश कुमार जैन एण्ड कंपनी

तरूण राम फुकन रोड, फैन्सी बाजार, गुवाहाटी-781001

जन जन के आराध्य, वर्तमान शासन नायक, भगवान महावीर स्वामी की दिनांक 14 अप्रैल 2022 को 2621 वीं जन्म जयंति पर समग्र जैन समाज को हार्दिक मंगलमयी शुभकामनाऐं एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में विराजित दिगम्बर जैन साधु-सन्तों के श्री चरणों में शत् शत् नमन-वन्दन-अभिनंदन

: शुभाकांक्षी :

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप-नवकार, जयपुर (राज.)

नवीन सेन जैन (संस्थापक अध्यक्ष) 301, कासलीवाल एन्क्लेव, मंगल विहार, जयपुर मो. 9314520323

प्रेमचंद छाबड़ा (अध्यक्ष) 35/88, रजतपथ, मानसरोवर, जयपुर-20 मो. 9414238737

मोहनलाल गंगवाल (सचिव) 753, आचार्य का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर -20 मो. 9887282909

कैलाशचंद सेठी (कोषाध्यक्ष) 23/134, स्वर्ण पथ, मानसरोवर, जयपुर-20 मो. 9414105833

कार्यकारिणी सदस्य :- संरक्षक : सतीश कुमार बाकलीवाल-सरोज बाकलीवाल, निहालचंद सोगानी, विजय कुमार दीवान, प्रो. आई.पी. जैन, डॉ. सुनील कुमार जैन, पूर्व अध्यक्ष : महावीर बाकलीवाल-ललिता बाकलीवाल, कार्याध्यक्ष : सुरेश चन्द जैन बांदीकुई, सलाहकार : कुन्दन मल जैन सोनी, सुभाष सेठी, डॉ. के.के. कासलीवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष : राजेन्द्र बाकलीवाल (बस्सी वाले), उपाध्यक्ष : महावीर कुमार गोदिका, धर्मचन्द जैन (निवाई वाले), अरूण कुमार जैन, मुख्य समन्वयक : शशि सेन जैन, संगठन मंत्री : गिरीश जैन, नरेन्द्र कुमार जैन, वीरेन्द्र कुमार जैन, पर्यटन मंत्री : विनय कुमार जैन, सुरेन्द्र कुमार जैन, सह-संगठन मंत्री : कौशल्या जैन, कमल चन्द गोदिका, सांस्कृतिक मंत्री : राज रानी जैन, वीणा जैन, खाद्य मंत्री : सुशील कुमार बज, किशन चन्द जैन, ज्ञानचन्द जैन, संतोष जैन, प्रचार मंत्री : प्रेम सेठी, सुरेश कुमार बज, धार्मिक मंत्री : पूरणमल अनोपडा, ज्ञानचन्द गंगवाल, मंजू कासलीवाल, नरेन्द्र कुमार जैन, योजना मंत्री : पदम चन्द रारा, डॉ. सुशीला जैन टोंग्या, संचालक गण : सुशीला त्यागी-, रतन सोगानी, प्रभा जैन, डॉ. आभा जैन, मन्जू पूरी, राकेश जैन, आशा अग्रवाल।

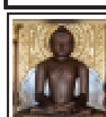

भगवान महावीर स्वामी की दिनांक 14 अप्रैल, 2022 को 2621वीं जन्म जयन्ती पर
बधाईयां एवं शुभकामनाऐं समर्पित

: शुभाकांक्षी एवं नमनकर्त्ता:

नरेश कासलीवाल
(प्रचार मंत्री त्रिवेणी नगर दिगम्बर जैन समिति)
श्रीमती नीना कासलीवाल
प्रियांक कासलीवाल (पुत्र) सहित समस्त कासलीवाल परिवार

18-ए, विश्वेश्वर्या नगर, गोपालपुरा बायपास, त्रिवेणी नगर, जयपुर-302018 (राज.) मो. 9462191401

भगवान महावीर स्वामी की 14 अप्रैल 2022 को 2621वीं जन्म जयंति पर सारे जैन समाज को
हार्दिक मंगलमयी बधाईयां

: शुभाकांक्षी :

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति 63/111, हीरा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302029

संरक्षक	अध्यक्ष	मंत्री
हंसराज लुहाड़िया	धनकुमार कासलीवाल	सुरेन्द्र कुमार जैन

उपाध्यक्ष-उत्तम चंद बोहरा, संयुक्त मंत्री-दिनेश कुमार कासलीवाल, कोषाध्यक्ष-विमल जैन, सहकोषाध्यक्ष-पवन कुमार छाबड़ा, संगठन मंत्री-सुरेश कुमार छाबड़ा, सांस्कृतिक मंत्री-बाबूलाल बिन्दायका, भंडार मंत्री-प्रकाश चंद पाटनी, प्रचार-प्रसार मंत्री- शैलेन्द्र कुमार जैन, भवन निर्माण मंत्री-महेन्द्र कुमार बड़जात्या, कार्यकारिणी सदस्य-हीरालाल सेठी, राजेन्द्र कुमार सोनी, विनोद जैन, ताराचन्द पाण्ड्या, विशिष्ठ मनोनीत सदस्य-पंकज कुमार छाबड़ा, विशाल ठोलिया, राजेन्द्र कुमार सोगानी, सुभाष चंद गोधा, देवेन्द्र कुमार वैद व राजेन्द्र प्रसाद गोधा सहित समस्त सदस्यगण।

मो. 9314503719, 9414359660, 9829087096

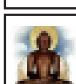

भगवान तीर्थंकर महावीर स्वामी की 14 अप्रैल 2022 को 2621वीं जन्म जयंती पर सभी आचार्यों, उपाध्यायों एवं सभी साधु संतो के चरणों में शत् शत् नमन् वंदन एवं समस्त देशवासियों को मंगलमयी बधाई।

: शुभाकांक्षी :

ओम प्रकाश शर्मा-श्रीमती विमला देवी शर्मा
नीरज शर्मा-श्रीमती स्वेता शर्मा (पुत्रवधु), नीलम (पुत्री), गोरांग व तनिष्क (पौत्र)

नीरज शर्मा

कार्यालय : 3279, भिण्डो का रास्ता, राजाराम धर्मशाला के पास, दूसरा चौराहा, चांदपोल बाजार, जयपुर- 01

9829139519, 9829021639, 9414250091
वन्दना आर्ट पैलेस निर्माता एवं विशेषज्ञ
संगमरमर एवं धातु की जैन मूर्ति, वैष्णव मूर्ति, स्टेच्यू, वेदी एवं छतरी निवास-260, वसुन्धरा कॉलोनी, गोपालपुरा बाईपास, टोंक रोड, जयपुर-18 फोन- 0141-2711615
E-mail- info@vandanaartpalace.com
Web : www.vandanaartpalace.com

JATF
JITO ADMINISTRATIVE TRAINING FOUNDATION

SHAPING THE FUTURE OF INDIA

JITO ADMINISTRATIVE TRAINING FOUNDATION

Golden Opportunity for graduates to join prestigious Government & Banking Services

CIVIL SERVICES

UPSC / SPSC TO BECOME IAS/IPS/IRS/DC/DYSP

- AGE - 20 TO 28 YRS
- BRIGHT & BRILLIANT GRADUATES
- PREFERENCE TO THOSE FROM IIT, IIM, NIT, IIIT, NLU, MBBS & CA
- SELECTION BY CET EXAM & INTERVIEW

CENTRES AT DELHI, JAIPUR, INDORE, PUNE, BENGALURU

BANKING SERVICES

TO BECOME BANK P. O. IN SBI/IBPS/RRS/RBI

- AGE - 21 TO 28 YRS
- BRIGHT & BRILLIANT GRADUATES
- PREFERENCE TO THOSE GOOD AT MATHS, REASONING, ENGLISH
- SELECTION BY BEAT EXAM

CENTRE AT PUNE

LAST DATE OF REGISTRATION FOR CET-2022 & BEAT-2022-I : THURSDAY, 28th APRIL 2022

CET-2022 & BEAT-2022-I EXAM ON : SUNDAY, 8th MAY 2022

FOR ONLINE REGISTRATION FOR NEXT BATCH VISIT : WWW.JATFADMISSION.ORG

FACILITIES OFFERED Subsidised coaching and in-house test series I Counseling, guidance & mentoring by Senior Civil officers / Competitive & Cultured environment I Library with latest books & Wi-Fi I Lodging, boarding with Jain food.

HEAD OFFICE : 101, B Wing, Business Square at Solitaire Park, Andheri Kurla Road, Andheri (East), Mumbai - 400 093 • Tel: 022 4023 3001/2 • Website: www.jatf.in

DELHI CENTRE : C-2, East Park Road, Opp Prem Dhaba, Behind D-Mart, Karol Bagh, New Delhi - 110 005 • Tel: 011-40046246/47/48

For More Details, Visit Website : www.jatf.in

Contact - Manish Jain : 011-4004 6246 / 47 / 48 • Vivek Jain : +91 6378205352 • Nalini Rathod : +91 9423585832 • M. L. Nagori : 0731-4052590

DELHI JAIPUR PUNE INDORE

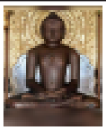

भगवान महावीर स्वामी की दिनांक 14 अप्रैल, 2022 को 2621वीं जन्म जयन्ती पर बधाईयां एवं शुभकामनाऐं समर्पित

: शुभाकांक्षी :

अविनाश ठोलिया
सिद्ध सागर युवा मंडल
अध्यक्ष, मौजमाबाद वाले
मो. 9828558254

सुरेन्द्र बोहरा
ट्रस्टी धर्म गुणामृत ट्रस्ट,
चकवाड़ा, मौजमाबाद वाले
मो. 9414258558

अंकित बोहरा
सदस्य साधु सेवा तीर्थ, बाड़ा
पदमपुरा, मौजमाबाद वाले
मो. 8003856118

एवं समस्त परिवारजन व मित्रगण मौजमाबाद
जिला-जयपुर (राज.)

भगवान तीर्थंकर महावीर स्वामी की 14 अप्रैल 2022 को 2621वीं जन्म जयंती पर सभी आचार्यों, उपाध्यायों एवं सभी साधु संतो के चरणों में शत् शत् नमन् वंदन एवं समस्त देशवासियों को मंगलमयी बधाई।

-: शुभाकांक्षी :

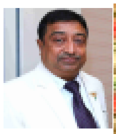

पारस जैन - श्रीमती राधा जैन
राहुल - नेहा जैन, राशु - रिचा जैन, रूहित - आरती जैन सहित समस्त परिवारजन आगरा वाले, सिद्धार्थ नगर, जयपुर (राज.)

Paras Kumar Jain
Director

GOLD I KUNDAN I DIAMOND

Radhika Jewelscraft (P) Ltd.
C-58, Ayodhya Enclave, Ground Floor, Mahaveer Marg,
C-Scheme, Jaipur-302001
E-Mail : radhikajewels@yahoo.co.in, www.radhikajewels.in
Contact : (O) 0141-2364545 M : +91-9214014119

भगवान तीर्थंकर महावीर स्वामी की 14 अप्रैल 2022 को 2621वीं जन्म जयंती पर सभी आचार्यों, उपाध्यायों एवं सभी साधु संतो के चरणों में शत् शत् नमन् वंदन एवं समस्त देशवासियों को मंगलमयी बधाई।

: शुभाकांक्षी :

राजकुमार जैन 09993034735

राज मेटल्स

मोती के चवर, गोटा के चवर, छत्र, भामण्डल, मंगल कलश पंचमेरू, शिखर कलश, पाण्डुक शिला, अष्ट प्रातिहार, अष्ट मंगल, सिंघासन, जिनवाणी कवर, ध्वजा, अक्षार, चंदोवा, पटके, मुकुट हार, बैच एवं मंदिर आईटम के निर्माता एवं विक्रेता राजकुमार जैन, फूटाताल स्कूल के पास, 702, हनुमानताल, जबलपुर (म.प्र.) 482002

वैवाहिक विज्ञापन

जैन गजट में वैवाहिक विज्ञापन दरें

१. ५० शब्दों तक का मैटर एक बार	२००/- रु.
२. ५० शब्दों तक का मैटर एक बार फोटो सहित	३००/- रु.
३. चार अंकों में लगातार प्रकाशित कराने पर ५० शब्दों का मैटर	६००/- रु.
४. चार अंकों में लगातार प्रकाशित	८००/- रु.

वैवाहिक विज्ञापन देकर जैन समाज के लाखों

संपर्क-0522-2662589, 2661021, 9415108233
WhatsAp No. 07607921391
बेबसाइट www. jaingajat.com

वर चाहिए

नाम : श्वेता, जन्मदिन : 10 फरवरी, 1995, कद : 5फीट 2 इंच, शिक्षा : सी. एस., पिता व्यवसायी, प्रतिष्ठित एवं धनसम्पदा से सम्पन्न, भाई सी.ए. इनकी पत्नी भी सी.ए., दोनों उच्च पदासीन, गोत्र स्वयं : बोहरा, मामा : काला, निवास : मुम्बई, भाइन्दर, योग्य, शिक्षित, सम्पन्न, चारित्रवान, सजातिय, विशेष सर्विस या व्यवसायरत सुन्दर वर चाहिए। जयपुर, अजमेर, मुम्बई वाले को प्राथमिकता। लड़की के सभी रिश्तेदार जयपुर में विस्थापित हैं। परिवार में तीन चाचा-चाची, एक ताऊ-ताई हैं सभी सम्पन्न हैं। सम्पर्क करें : 8107581334

वधु चाहिए

नाम : निहाल जैन, जन्मतिथि : 07.09.1995, राशि : कुंभ, कद : 6'1'', रंग : गेहुंआ, गोत्र : मित्तल, गोत्र (मामा) : गर्ग, शिक्षा : शिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा एवं बी.टेक, व्यवसाय : व्याख्याता (सिविल इंजीनियरिंग) PUSA Institute of Technology, : प्रौद्योगिकी संस्थान, वर्तमान निवास : दिल्ली, पिता का नाम : श्री योगेश कुमार जैन (व्यवसाय - फार्मेसी), माता का नाम : श्रीमती निशा जैन (गृहणी), निवास : महमूदाबाद, जिला-सीतापुर-261203, सम्पर्क - 9839673752

शेष पृष्ठ 6..... का

भौतिम वैज्ञानिकों ने पुद्गल सूक्ष्म महास्कंध में विश्व भर में भौतिक विकास को एक क्षण में नष्ट धष्ट करने की शक्ति का विकास किया है और इस शक्ति की विभिषिका का आज हम सभी मानव रूस और यूक्रेन देश के परस्पर में हो रहे युद्ध में देख रहे हैं। उसी तरह ही इस सूक्ष्म महास्कंध में यह भी शक्ति है कि वह महान पुण्यशाली आत्मा के जन्म के समय सर्वत्र तीन लोक में आनंद, हर्ष, उत्साह प्रसारित कर दे तो कोई आश्चर्य नहीं है। प्रथम तीर्थकर भगवान ऋषभनाथ-आदिनाथ एक महान पुण्यशाली आत्मा थे, जीवन-मरण से उनका अब सदैव के लिए छुटकारा होना है तब उनके स्पर्श से फैला सूक्ष्म महास्कंध सर्वत्र शान्ति, आनंद, हर्ष का प्रसारण करने की शक्ति से युक्त था। पुराणकारों ने उस समय के निर्मल, शुद्ध, पवित्र वातावरण का बहुत ही विस्तार से वर्णन किया है। वह सब सत्य है, कोई माया जाल या चमत्कार नहीं है। मात्र अध्यात्म का ढिंढोरा पीटने वालों ने ऐसी श्रेष्ठ शक्तियों का उपहास या उपेक्षा कर पाप जन्म विकृतियों को ही पुष्ट किया है।

वर्तमान में भगवान् ऋषभनाथ आदिनाथ की जन्म जयंती विश्व भर में मनाया जाने का भारी प्रमाण में उपक्रम किया जा रहा है। जो बहुत ही उपयुक्त है। हम जन्म जयंती मनाकर या संगोष्ठियाँ कर महानता का परिचय मात्र देकर संतुष्ट नहीं होना चाहिए बल्कि अपने व्यक्तिगत् श्रेष्ठ जीवन से-आचरण से उस महानता का परिचय विश्व भर को देना होगा। एक छत्र साम्राज्य की स्थापना, पूजा, प्रतिष्ठा, सम्मान के व्यामोह एवं किसी भी श्रेष्ठ सम्मानित आदर सूचक पद का दुरूपयोग कर जो भ्रम और असत्य फैलाया जा रहा है वही हमारी उज्जवल मंशा की उपेक्षा या घृणा तथा तिरस्कार का कारण बनता जा रहा है।

अनेकांत, स्याद्वाद, अहिंसा, अपरिग्रह, शाकाहार जैसे श्रेष्ठ विश्वोपयोगी और जनहितकारी सर्वश्रेष्ठ सिद्धान्तों के होते हुए भी हम स्वयं अशांत है, अविश्वास के शिकार बनते जा रहे हैं। जो बहुत ही दुःखद है।

जिनागम के मूल को सम्पूर्ण विश्व के मानस पटल पर पुनर्स्थापित करने में दृढ़ता के साथ अग्रसर श्वेतपिच्छाचार्य स्वर्गीय परम पूज्य श्री विद्यानंद जी महाराज, आचार्य शिरोमणि परम पूज्य श्री विद्यासागर जी महाराज और साध्वी विदूषी परम पूज्य, आर्यिका गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी आदि ने सफल उद्यम किए हैं। प्रथम तीर्थकर भगवान ऋषभनाथ-आदिनाथ का विश्व को अप्रतिम योगदान, कृषि करो महर्षि बनो, आजीविका के लिए षट्कर्म के प्रदाता, महिला जगत के समुन्नत उन्नति में ऋषभनाथ-आदिनाथ का योगदान, भरत से भारत जैसे योगदान को सप्रमाण विश्व के सामने रखने में स्वर्गीय श्वेतपिच्छाचार्य जी का योगदान-चिंतन अपूर्व है।

हिमालय पर्वत में शताब्दियों पूर्व से भगवान ऋषभनाथ-आदिनाथ के रूप में स्थापित प्रतिमा को चार-पांच सौ वर्ष पूर्व बद्रीनाथ के रूप में प्रचारित की गयी। यह प्रतिमा भगवान ऋषभनाथ-आदिनाथ की ही है। इस तथ्य को पुनर्स्थापित करने में तथा बावनगजा (बड़वानी में) शताब्दियों पूर्व पर्वत में भगवान ऋषभनाथ-आदिनाथ की करीब बावनगजा से भी अधिक उंची उत्कीर्णित प्रतिमा का पुनर्जीर्णोद्वार कर विश्व के मानस पटल पर पुनर्स्थापित करने में स्वर्गीय श्री श्वेतपिच्छाचार्य का अविस्मरणीय योगदान है। इसी तरह से कुंडलपुर (दमोह मध्यप्रदेश) में पर्वत की गुफा में पहाड़ में ही शताब्दियों पूर्व से उत्कीर्णित भगवान ऋषभनाथ-आदिनाथ की मनोहर प्रतिमा को इच्छानुकुल स्थानांतरित कर परम पूज्य आचार्य शिरोमणि श्री विद्यासागर जी महाराज के माध्यम से वर्तमान में भगवान ऋषभनाथ - आदिनाथ गुंजायमान हो उठे हैं।

परम पूज्य प्रथम आर्यिका गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी ने तो दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मांगीतुंगी (नासिक) के पहाड़ में पर्वत में एक ही लंबी चौड़ी शिला को निकलवाकर कर उसमें भगवान ऋषभनाथ - आदिनाथ की विश्व भर में 108 फुट ऊंची चित्ताकर्षक आश्चर्यकारी प्रतिमा को उत्किर्णित करवा देने की प्रेरणा देकर विश्व भर को भगवान ऋषभनाथ-आदिनाथ का परिचय करा देने का एवं आदिनाथ का समग्र योगदान, जीवन को प्रकाश में ला देने का अद्वितीय उद्यम किया है। जैन संस्कृति के विस्मृत किए गए या किए जा रहे मूलभूत पहलुओं के तरफ विश्वमनिषियों के मानस पटल पर भगवान ऋषभनाथ-आदिनाथ को लाकर खड़ा कर दिया है।

स्थापत्य कला और साहित्य के माध्यम से जैनाचार्यो ने भगवान आदिनाथ के महात्मे को विश्व मानस पटल पर रख दिया है।

व्यक्तिगत् पूजा, प्रतिष्ठा, सम्मान के व्यामोह से ऊपर उठकर अत्यन्त शुद्ध, पवित्र, निर्मल मन से मूलाचार, श्रावकाचार का अनुसरण कर विश्व को लाखों वर्ष पूर्व जन्मे प्रथम तीर्थकर भगवान् ऋषभनाथ-आदिनाथ से परिचित कराने में कर्तव्यरत् होंगे और स्वयं को भी उन्नत करेंगे। अंतिम चौबिसवें तीर्थकर भगवान महावीर की तरह ही प्रथम तीर्थकर भगवान ऋषभनाथ-आदिनाथ को भी प्रतिष्ठापित करने में हमारा पुरूषार्थ हो। भगवान ऋषभनाथ-आदिनाथ की जय हो.........।

- भरत कुमार काला
प्रधान सम्पादक जैन गजट

आचार्यश्री सुमति सागर जी महाराज

तीर्थराज सम्मेदशिखर में आचार्यश्री सुमतिसागर त्यागीव्रती आश्रम मधुबन में प.पू. उपाध्याय श्री विप्रणत सागर जी महाराज की मंगल प्रेरणा से

श्री पार्श्वनाथ जिनालय शिखर जीर्णोद्वार

नाम अंकन सहयोग राशि
51,000/-
21,000/-
सहयोग राशि
11,000/-
51,00/-

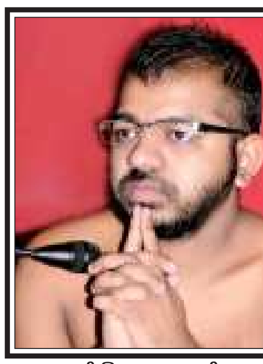

उपाध्याय श्री विप्रणत सागर जी महाराज

-: सम्पर्क सूत्र :-
ब्र. पूर्वी दीदी मो. 7987057369
आयुष गंगवाल मो. 9302300199

निवेदक - आचार्य श्री सुमति सागर त्यागी व्रती आश्रम- कार्यकारिणी कमेटी, मधुबन

विनम्र निवेदन

धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के अवसर पर जैन समाज के धार्मिक समाचार पत्र जैन गजट को सहायता राशि भेजकर या आजीवन सदस्य २१००/- के बनकर जैन धर्म के प्रचार व प्रसार में सहभागी बनें। आजीवन सदस्यों का फोटो व नाम पता जैन गजट में प्रकाशित किया जाता है। सहायता राशि ११००/- एवं उससे अधिक राशि देने वाले महानुभावों का नाम व पता जैन गजट में प्रकाशित किये जाते है।

Printed by SUDHESH KUMAR JAIN and published by SUDHESH KUMAR JAIN on behalf of SHRI BHARATVARSHIYA DIGAMBAR JAIN MAHASABHA and printed at JAIN OFFSET PRINTERS 252/67, RAKABGANJ KADEEM, NEHRU CROSS, LUCKNOW - 226004 Uttar pradesh and published at Nandiswar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish Bagh, Lucknow-226004 Uttar pradesh
Editor- KAPOOR CHANDRA PATNI
आर. एन. आई पंजीयन संख्या- R.N.I. NO. 59665/92

जैन गजट संबंधी सभी विवादों के लिये न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।
लेखक के विचारों से संस्था या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।